

सभी कॉलेजों में खुलेंगे काउंसलिंग सेंटर

मौके पर ही दूर कर दी जाएंगी छात्रों की मानसिक अवसाद संबंधी समस्याएं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

जयपुर. छात्रों में तनाव और मानसिक अवसाद की समस्याओं और आत्महत्याओं को रोकने के लिए अब महाविद्यालयों में ही छात्रों के लिए काउंसलिंग सेंटर खुलेंगे। इन काउंसलिंग सेंटरों में छात्रों की मानसिक संबंधी हर समस्याओं को पहले चरण में ही दूर कर दिया जाएगा, जिससे छात्र अवसाद में आकर भविष्य में कोई जोखिम भरा कदम ना उठाएं।

एक महीने के अंदर रा'य के सभी 33 जिलों के बड़े महाविद्यालयों में ये सेंटर खोल दिए जाएंगे। उच्चशिक्षा विभाग से इसकी हरी झंडी मिल चुकी है। राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम इस योजना पर 4



छात्र ही देश का भविष्य है। ऐसे में तनाव-अवसाद के कारण वे गलत कदम उठा लेते हैं। इसी समस्या के निवारण के लिए राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम म और उच्च शिक्षा विभाग मिलकर काउंसलिंग सेंटर खोलने जा रहा है। उनका घर पर ही इलाज हो जाएगा।

प्रदीप शर्मा, राज्य नोडल
अधिकारी राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

इसलिए पड़ी जरूरत

यह देखने को मिलता है कि छात्र जीवन में युवाओं में मानसिक रोग सामान्यता बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। पढ़ाई के साथ पेरेंट्स की ओर से भी दबाव होने के कारण छात्र मानसिक अवसाद में आ जाते हैं। ऐसे में ना तो उनकी काउंसलिंग हो पाती है ना ही उपचार और 'यादा अवसाद में आ जाने के कारण वे आत्महत्या की ओर आगे बढ़ जाते हैं। कॉलेज स्तर पर ही अगर उनकी काउंसलिंग की जाएगी तो पहली स्टेज में ही रोग से दूर किया जा सकता है।

करोड़ रुपए खर्च करेगा। ये सेंटर महिला महाविद्यालयों में भी खुलेंगे। अगर कोई छात्र तनाव-मानसिक अवसाद में पाया जाता है, तो उसकी पहचान पहले ही चरण में ही कर इलाज शुरू कर दिया जाएगा।

मॉनिटरिंग के लिए बनेगी टीम

काउंसलिंग सेंटर के लिए कॉलेज के ही मनोविज्ञान विभाग का कोई प्रोफेसर नियुक्त किया जाएगा। अगर कॉलेज में सुविधा नहीं है तो राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्य म ईकाई की ओर से मनोवैज्ञानिक उपलब्ध किया जाएगा, जिसकी ड्यूटी कॉलेज समय तक सेंटर पर रहने की होगी। इसके अलावा सेंटर की मॉनिटरिंग के लिए आठ सदस्यीय टीम होगी, जो मनोरोगी छात्रों को प्राथमिक उपचार देगी।

2